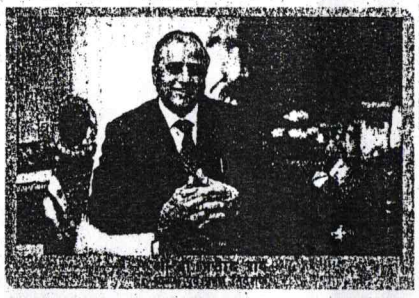
Date - 23/09/2014
Newspaper - दैनिक जागरण



अध्यक्ष महोदय का संबोधन: 50वीं वार्षिक आम बैठक 19 सितम्बर, 2014

देवियो और सज्जनो,

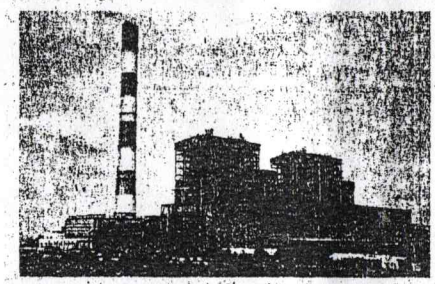
सुप्रभात और आज हमारे साथ सम्मिलित होने के लिए आपका धन्यवाद।

निदेशक मंडल की ओर से मुझे आपकी कंपनी की 50वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। जैसा कि हम स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं, आइये मैं कुछ मिनट आपकी कम्पनी के गौरवशाली अतीत और एक 'महारत्न' केन्द्रीय लोक उद्यम बनने पर नजर डालता हूं।

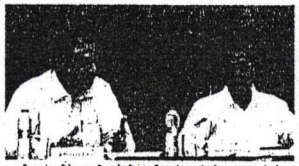
- पिछले 50 वर्षों के दौरान आपकी कम्पनी का सफर भारत में सुदृढ़ हेवी इलेक्ट्रिकल उपस्कर उद्योग स्थापित करने के लिए ठोस आधार बनाने के उद्देश्य से विभिन्न तकनीक हस्तांतरणों की याद दिलाता है। 20,000 मेगावाट विद्युत उपस्कर प्रतिवर्ष निर्माण क्षमता के साथ, बीएचईएल विश्व की कुछ गिनी–चुनी कम्पनियों में से एक है जिसके पास विद्युत उपस्करों की सम्पूर्ण श्रंखला / टाइप के विनिर्माण की क्षमता है। आज, बीएचईएल आपूरित उपस्कर वाले विद्युत संयंत्र भारत की कुल संस्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में 57% का हिस्सा रखते है और कोयला आधारित थर्मल यूटिलिटी सेटों से कुल उत्पादन में 65% योगदान देते हैं।
- बीएचईएल ने, चाहे यह 1970 की शुरूआत में वैश्विक ओईएम से प्रतिस्पर्धा हो, 1990 में आर्थिक उदारीकरण हो या हाल के दशकों में सस्ता आयात हो, इन चुनौतियों का निरंतर आत्मविश्वास के साथ मुकाबला कर अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों को आगे बढाते हुए हेवी इलेक्ट्रिकल उपस्कर विनिर्माण में घरेलू दक्षता विकसित की है। 1984 में पहली 500 मेगावाट यूनिट, 2013 में पहले 600 मेगावाट सब–क्रिटिकल एवं 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल सेट की कमीशनिंग और 2014 में 800 मेगावाट बॉयलर की कमीशनिंग बीएचईएल के तकनीकी कौशल में कुछ विशेष उपलब्धियां हैं।
- हमने तकनीक एवं नवीन प्रक्रियाओं का उपयोग करते हुए अपने ग्राहकों को कम ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन, कम जल खपत एवं कम ईंधन आवश्यकता के साथ सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन करने वाले उपस्कर प्रदान करके विद्युत संयंत्रों के सम्पूर्ण प्रचालनात्मक जीवनचक्र में पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभावों के जिम्मेदारीपूर्ण प्रबंधन का ध्यान रखा है।

वित्तीय वर्ष 2013–14 अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। 5% से कम वृद्धि का यह निरंतर दूसरा वर्ष था। निवेशों में कटौती, बुनियादी ढांचे एवं जरुरी क्षेत्र में मंदी, चीनी और बंद परियोजनाओं की वजह से भी आशा के अनुरूप कार्यनिष्पादन नहीं हुआ।

हालांकि, आपकी कम्पनी ऐसे कठिन व्यवसाय वातावरण में भी व्यापार को आगे बढ़ाने में सफल रही। बीएचईएल ने 2013–14 के दौरान ₹40,338 करोड़ का कारोबार और ₹3,461 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया। कुछ प्रतिकूल बाहरी परिस्थितियों के कारण यह 2012–13 की तुलना में



भारत का प्रथम देश में निर्मित 800 मेगावाट बॉयलर कृष्णापटनम में सिंक्रोनाइज किया गया



श्री अनंत गीते, माननीय केन्द्रीय भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री ने 9 जून, 2014 को पहली बार बीएचईएल कॉर्पोरेट कार्यालय का दौरा किया

कम है। यद्यपि, 8% शुद्ध लाभ मार्जिन, जो कि कई साथी उद्योग समूहों से कुछ ज्यादा है, आपकी कंपनी के लचीलेपन का प्रमाण है। वर्ष के दौरान, आपकी कम्पनी ने अब तक के सबसे ज्यादा 13,452 मेगावाट की विद्युत परियोजनाओं को सिंक्रोनाइज / कमीशन किया जो किसी एक वर्ष में सबसे ज्यादा है।

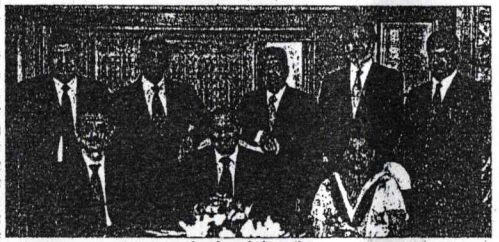
आज, बीएचईएल के उपस्कर अपने गुणों जैसे कम आणिजलरी विद्युत खपत, सर्वोत्तम बॉयलर दक्षता, बेहतर प्लांट हीट रेट एवं प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) और अंततः कम जीवन–चक्र लागत के साथ विश्व–स्तरीय कार्यनिष्पादन करने वाले माने जाते हैं। वर्ष के दौरान, बीएचईएल आपूरित कोयला आधारित सेटों का सम्पूर्ण पीएलएफ 66.90% था जो कि राष्ट्रीय औसत 65.60% से अधिक है। इनमें 90% से अधिक पीएलएफ दर्ज करने वाले 36 सेट शामिल हैं।

विपरीत बाजार परिस्थितियों के बावजूद वृद्धिशील

बीएचईएल ने अपने विविधीकृत व्यवसाय खंड जैसे घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार दोनों को शामिल करते हुए विद्युत एवं उद्योग से ₹28,007 करोड़ का आर्डर प्राप्त किया। तेजी से बाजार अवमूल्यन और विद्युत क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, बीएचईएल ने अपना बाजार हिस्सा 2012–13 में 68% से बढ़ाकर 2013–14 में 72% किया जिसमें नार्थ करनपुरा के लिए एनटीपीसी से 3X660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल यूनिटों के लिए अब तक का सबसे बड़ा ₹7,900 करोड़ मूल्य का मेगा ईपीसी आर्डर शामिल है। वर्ष की समाप्ति पर कम्पनी के पास ₹1,01,566 करोड़ के आर्डर थे।

कम्पनी विभिन्न चुनौतियों का सामना करती है। कम वॉल्यूम के कारण लाभ प्रभावित हुआ है। हाल के कुछ वर्षों में इन विपरीत परिस्थितियों ने हमें अपनी क्षमताओं को समेकित करने, भावी विकास के क्षेत्रों को पहचानने और आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आधार बनाने हेतु भीतरी क्षमता को बढ़ाने के अवसर दिए हैं।

1. **क्षमता विस्तार :** बीएचईएल ने विद्युत संयंत्र उपस्कर में 20,000 मेगावाट प्रतिवर्ष, पावर ट्रांसफार्मर में 45,000 एमवीए प्रतिवर्ष, सीमलैस स्टील ट्यूब में 66,500 एमटी प्रतिवर्ष तक अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ाई है और अपनी व्यापक उपस्थिति के लिए बीएचईएल के साथ बीएचपीवी विज़ाग के विलय के अलावा, जगदीशपुर में नई विनिर्माण यूनिट– सेन्ट्रेलाइज्ड स्टैम्पिंग यूनिट तथा थिरूनायम में पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट का निर्माण किया है।
2. **त्वरित परियोजना निष्पादन:** वर्ष 2013–14 के दौरान, आपकी कम्पनी ने पिछले वर्ष की तुलना में 30% अधिक विद्युत परियोजनाओं को सिंक्रोनाइज / कमीशन किया। पारेषण व्यवसाय क्षेत्र में, आपकी कम्पनी ने कर्नाटक राज्य के रायचूर में 765 / 400 केवी सबस्टेशन को निर्धारित समय से 6 माह पूर्व, पीजीसीआईएल का 765 केवी रायचूर–सोलापुर पारेषण लिंक के दक्षिणी छोर का सफलतापूर्वक निर्माण एवं कमीशन किया। इसके साथ ही, दक्षिणी ग्रिड अब एन–ई–डब्ल्यू ग्रिड से जुड़ गया है और इस प्रकार राष्ट्रीय ग्रिड के परिचालन में तालमेल हुआ है जो एक राष्ट्र–एक ग्रिड–एक फ्रीक्वेंसी बनाने की महत्वाकांक्षा पूरी कर रहा है।



बीएचईएल की नेतृत्व टीम

बायें से बायें बैठे हैं: सुश्री हरिन्दर कौर, अंकेक्षक गैर–सरकारी निदेशक, श्री बी. प्रसाद राव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री एस. के. माहुरी, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, बीओआईपी
बायें से दायें खड़े हैं: श्री आर. कृष्णन, निदेशक (मानव संसाधन), श्री जे.डब्ल्यू. डी.के. कृष्ण रॉयल, निदेशक (औद्योगिक प्रणालियां एवं उत्पाद), श्री अंजुल रावी, अपर सचिव, भारी उद्योग विभाग, श्री पी. के. बागचेई, निदेशक (मिनी), श्री अतुल सोबती, निदेशक (पावर)

3. **उत्पाद लागत प्रतिस्पर्धात्मकता एवं गुणवत्ता:** वर्तमान मूल्य दबाव से निपटने के लिए, आपकी कंपनी घरेलू नई तकनीकी क्षेत्रों और डिजाइनों के ईष्टतमीकरण, उपस्कर मॉड्यूल के मानकीकरण, पुनः कार्य लागत में कमी, कार्यनिष्पादन मानकों का विस्तार और खरीदे जाने वाले मदों की कि–पैकेजिंग एवं सिविल कार्यों के साथ आयात को घटाने के लिए भारतीय वेन्डरों को आगे लाने पर विशेष ध्यान दे रही है।
4. **विविधीकरण:** विशेषकर विद्युत क्षेत्र में वर्तमान व्यापार परिदृश्य को देखते हुए, कम्पनी दो मुख्य कार्यनीतियों – ईपीसी व्यवसाय में जोर और प्रस्ताय के क्षेत्र का विस्तार, को अपना रही है। फ्लू–गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी), जल प्रबंधन प्रणाली, एयर कूल्ड कंडेन्सर और अन्य बैलेंस ऑफ प्लांट (बीओपी) प्रणाली को जोड़कर बीएचईएल अपने पोर्टफोलियों को बढ़ा रहा है।

बीएचईएल ने पिछले कुछ समय में परिवहन (रेल), सौर, रक्षा एवं पारेषण व्यवसाय क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए कई पहलें की हैं। महाराष्ट्र में 480 मेगावाट सोलर पीवी सिस्टम के लिए एकीकृत विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की योजना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। व्यवसाय विविधीकरण के लिए बीएचईएल, उत्पाद विकास (उदाहरणार्थ 765 एवं 1200 केवी ट्रांसफार्मर एवं रक्षा उपकरण), स्टेकहोल्डरों के साथ सहयोग, क्षमता समेकन (उदाहरणार्थ जल व्यवसाय) और उद्योग क्षेत्र में कारोबार गठजोड़ की सहभागिता बढ़ाने के लिए नये तकनीक क्षेत्रों (उदाहरणार्थ एनई आगरा ±800 केवी एचवीडीसी ट्रांसमिशन लाइन) में अनुमय प्राप्त करने पर विशेष ध्यान दे रहा है।

जल विद्युत क्षेत्र में, बीएचईएल ने 300 मेगावाट तक हाइड्रो सैट विनिर्माण के लिए क्षमता का विस्तार किया है। इसकी न्यूक्लियर क्षमता को बढ़ाया जाए तो 2013 में कुडनकुलम–1 में भारत का पहला 1000 मेगावाट न्यूक्लियर सेट सिंक्रोनाइज किया गया था जिसमें आपकी कम्पनी ने टीजी के संस्थापन एवं कमीशनिंग की सफलतापूर्वक सम्पादित किया।

आपकी कंपनी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ईपीसी कांट्रेक्टर के रूप में बीएचईएल की भूमिका को मजबूत करने के लिए अवसर–विशेष एवं बाजार–विशेष सहभागियों को आगे लाकर निर्यात व्यापार को बढ़ाने हेतु चुनिंदा देशों में व्यवसाय अवसरों की भी तलाश कर रही है।

5. **अभियांत्रिकी एवं तकनीक:** अनुसंधान एवं विकास आधारित व्यवसाय योजना की अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, बीएचईएल ने वर्ष 2013–14 में ₹1,114 करोड़ खर्च किए जो पिछले वर्ष के 2.49% की तुलना में कारोबार का 2.76% था। 2,589 पेटेंट एवं कॉपीराइट के रूप में कम्पनी की कुल बौद्धिक पूंजी, वर्ष के दौरान दाखिल किए गए अब तक के सबसे अधिक आईपीआर (434) इसके अनुसंधान एवं विकास प्रयासों का परावर्तन है। देश में कोयले की वर्तमान स्थिति को देखते हुए, आपकी कम्पनी ने, नए फ्यूल फ्लेक्सिबल सुपरक्रिटिकल बॉयलरों का विकास किया है जोकि 100% विनिर्दिष्ट भारतीय कोयले के साथ–साथ 100% विनिर्दिष्ट आयातित कोयले की विशेष स्थिति में भाप उत्पादन का प्रचालन और अनुरक्षण कर सकते हैं। आईजीसीएआर और एनटीपीसी ने देश के लिए पहले कोल फायर्ड एडवांस्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) पावर प्लांट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बीएचईएल अपने ग्राहकों को ईंधन कार्यकुशल एवं पर्यावरण हितैषी तकनीक प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2013–14 के दौरान, एनटीपीसी, बाढ़ के लिए पहले बीएचईएल निर्मित 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल यूनिट को पूर्ण किया गया और कृष्णापटनम में एपीपीडीसीएल के लिए पहले 800 मेगावाट बॉयलर को सिंक्रोनाइज किया गया था।

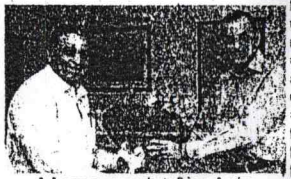
6. **लोगों का विकास:** बीएचईएल की निरंतर अग्रणी प्रगति यात्रा के पीछे इसके 47,000 से अधिक कर्मचारियों की मेहनत है। कर्मचारियों की औसत आयु में वर्ष 2006 में 48.96 वर्ष से वर्ष 2013 में 40.84 वर्ष तक उत्तरोत्तर कमी बीएचईएल का सशक्ताब्दि पीढ़ी की दिशा में आगे बढ़ने के जनसांख्यिकी संक्रांति प्रोफाइल को दर्शाता है। इस प्रकार, बीएचईएल के लोगों के विकास की कार्यनीति, व्यवसाय योजनाओं के साथ सामंजस्य बनाने के लिए प्रत्येक कर्मचारी की दक्षता, कार्यनिष्पादन एवं क्षमता के विकास पर केन्द्रित है।

हाल के कुछ वर्षों में, हमारे ग्राहकों ने विनियामक एवं अभिशासन से जुड़े विषयों का सामना किया जिससे परियोजनाओं के निष्पादन में देरी हुई। यह उनका वित्तीय भार बढ़ा रहा है। आपकी कम्पनी को भी सामान्यतः इन परियोजनाओं के सबसे बड़े स्टेकहोल्डर होने के नाते इसका प्रभाव पड़ा है जिससे बड़े स्तर पर कर्जदारों की संख्या बढ़ी। हमने त्वरित नगदी संग्रहण के लिए संरचनागत व्यवस्थाएं की हैं। हम कर्जदारों की संख्या रोकने में सक्षम हैं।

आपकी कंपनी कॉर्पोरेट अभिशासन प्रक्रियाओं एवं आचार संहिता का पालन करते हुए व्यापार करने में विश्वास रखती है। हम क्षमता निर्माण, समुदाय सशक्तिकरण, पिछड़े क्षेत्रों का विकास और समाज के गरीब एवं शोषित वर्गों के कल्याण पर विशेष ध्यान देते हुए सामाजिक विकास एवं समग्र वृद्धि से जुड़े कार्य को संचालित कर रहे हैं।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' का आह्वान किया है और इसे नई सरकार के एक महत्वपूर्ण मिशन के रूप में अभिज्ञात किया गया है। भविष्य आकर्षक अवसरों एवं कठिन चुनौतियों से भरा है। 50 शानदार वर्षों की स्वर्णिम गाथा के साथ, बीएचईएल ने, अपने दीर्घकालिक विज़न को साकार करने और बदलते समय के साथ चलते हुए प्रस्तुत उत्पाद विस्तार और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाकर इस व्यवसाय परिवेश को अपनाया है। नये व्यवसाय क्षेत्रों का सृजन और उपलब्ध बुनियादी ढांचे का न्यूनतम उपयोग, भारी विकास और स्टेकहोल्डर मूल्य वर्धन की कुंजी होगा।

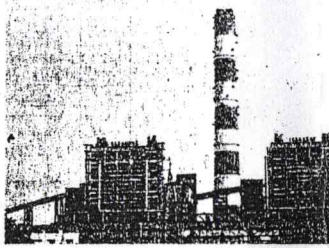
मैं निदेशक मंडल के मेरे साथी निदेशकों और प्रबंधन समिति के सदस्यों का उनके विवेक एवं निरंतर सहयोग के लिए आभारी हूं। मैं बीएचईएल के प्रत्येक स्टेकहोल्डर को भी विशेष धन्यवाद देना चाहूंगा जिनका विश्वास एवं भरोसा हमारे सभी प्रयासों का मार्गदर्शक रहा है। मैं भारत और विदेश में हमारे सभी ग्राहकों एवं व्यापार सहयोगियों का, हमारे उत्पादों एवं सेवाओं में उदारता से भरोसा करने एवं अटूट विश्वास रखने के लिए धन्यवाद करता हूं। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेषकर भारी उद्योग विभाग, हमारे प्रयासों में निरंतर मूल्यवान मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान कर रहे हैं।



श्री बी. प्रसाद राव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएचईएल श्री. राजन एस. कटोच, सचिव (भारी उद्योग) का स्वागत करते हुए

अंततः बीएचईएल के 47,000 से अधिक कर्मचारियों का धन्यवाद जिन्होंने इन सफलताओं को साकार किया। मैं कम्पनी के प्रति उनकी उच्चतर प्रतिबद्धताओं एवं पिछले कुछ वर्षों के दौरान उनके उत्कृष्ट कार्यप्रदर्शन पर गौरवान्वित हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी हम एक साथ मिलकर सफलता की नई ऊंचाईयों को प्राप्त करेंगे।

मैं अतीत के नेतृत्वकर्ताओं एवं कर्मचारियों का दिल से आभारी हूं जिन्होंने हमें यहां – अभियांत्रिकी उत्कृष्टता के 50 वर्षों तक पहुंचाया है। नित नये लक्ष्य स्थापित कर विश्वास के साथ हम हर



बीएचईएल के पहले 660 मेगावाट रेटिंग के सुपरक्रिटिकल सेट को एनटीपीसी बाढ़ चरण–II में कमीशन किया गया

जगह, हर वक्त परिश्रम कर उत्कृष्टता प्रदान करेंगे। नये एवं बदलते हुए भारत में, बीएचईएल द्वारा प्रस्तुत उत्पाद और सेवाओं की व्यापक श्रंखला के प्रति अतृप्त रूचि होगी। अतः आपकी कंपनी के निदेशक मंडल को बेहतर कल के लिए समाधान तात्कुल करने वाले एक वैश्विक अभियांत्रिकी उद्यम बनने और हमारी स्वर्णिम विरासत का सम्मान रखने के अपने दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के प्रति पूरा विश्वास है।

मैं एक बेहतर भारत के निर्माण की इस चुनौतीपूर्ण परंतु प्रेरणादायक प्रक्रिया में आपके अटूट सहयोग की आशा करता हूं।

शुभकामनाओं के साथ,

(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली
19 सितम्बर, 2014

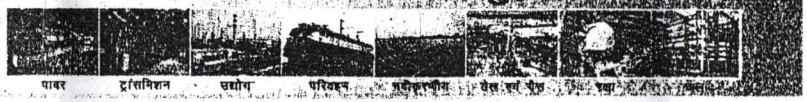
टिप्पणी: उपर्युक्त अंश वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष महोदय के अभिभाषण से लिया गया है, इसलिए यह वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही नहीं है। सम्पूर्ण अभिभाषण के लिए कृपया www.bhel.com देखें।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

CIN: L74899DL1964GOI004281
पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049
फोन नं.: 011–66337000, फैक्स: 011–26493021
ई–मेल: shareholderquery@bhel.in, वैबसाइट: www.bhel.com

BHEL Golden Jubilee 1964 - 2014
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड महारत्न कंपनी 50 Years

प्रगति को गति... जीवन को ज्योति
भारत के हर घर से जुड़ा



पावर ट्रांसमिशन उद्योग परिवहन नवीकरणीय रेल एवं रक्षा

Date - 23/09/2014
Newspaper - The Times Of India


Shri B. Prasada Rao
Chairman & Managing Director

Chairman's Address : 50th Annual General Meeting on 19th September, 2014

Ladies and Gentlemen,

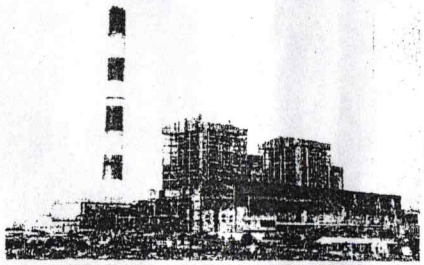
Good morning and thank you for joining us today.

On behalf of the Board of Directors, I take this opportunity of extending a very cordial welcome to you all in the 50th Annual General Meeting of your company. As we celebrate the golden jubilee year, let me also take a couple of minutes to reflect upon your company's glorious past and its evolution into a 'Maharatna' CPSE.

- Journey of your company during last 50 years is reminiscent of various trysts made with technology in order to build robust bedrock for establishing a strong Heavy Electrical Equipment industry in India. With a manufacturing prowess of 20,000 MW of Power equipment p.a., BHEL is one of the few global companies with capability to manufacture entire range/type of Power equipment. Today, power stations with BHEL supplied equipment have a sturdy 57% share in India's total installed power generation capacity and contribute 65% to the total generation from coal based thermal utility sets.
- BHEL has built indigenous capability in manufacturing heavy electrical equipment serving core sectors of the economy while confronting challenges with aplomb throughout, be it competition from global OEM beginning 1970s, economic liberalization in 1990s or competition from cheap imports in recent decades. Commissioning of first 500 MW unit in 1984, first 600 MW sub-critical and 660 MW supercritical set in 2013 and commissioning of 800 MW boiler in 2014 are some landmarks in BHEL's technological accomplishments.
- We have been leveraging technology and innovation to facilitate our customers manage their environmental and social impacts throughout the entire operational lifecycle of the power plants by offering equipment with superior performance resulting in reduced green house gas emissions, reduced water consumption and less fuel requirement.

PERFORMANCE DURING THE YEAR

The financial year 2013-14 was an extremely challenging one. It was the second successive year of sub-5% growth. The cutback in investments, slow momentum in infrastructure and energy sectors, delayed and stalled projects have also contributed to the performance that was below expectations.

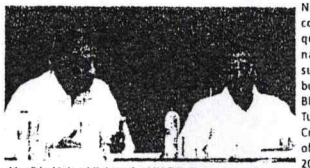

India's first indigenously manufactured 800 MW Boiler synchronised at Krishnapatnam

BHEL Maharatna Company

Golden Jubilee 1964 - 2014

POWERING PROGRESS... BRIGHTENING LIVES TOUCHING EVERY INDIAN HOME




Hon'ble Union Minister for HI&PE, Shri Anant Geefe's first visit to BHEL Corporate Office on 9th June, 2014

Nevertheless, your company has been quite successful in navigating through such a constrained business environment. BHEL has achieved a Turnover of ₹40,338 Crore and a Net profit of ₹3,461 Crore during 2013-14. The decline in comparison to 2012-13 is largely due to unfavourable externalities. However, the resilience of your company is evident from the net Profit Margin of 9% which is still higher than many industry peers. During the year, your company synchronized/ commissioned all time high power projects of 13,452 MW which is the highest in a single year.

Today, BHEL's equipment boast of world-class performance attributes like, lower auxiliary power consumption, superior boiler efficiency, better plant heat rate & plant load factor (PLF) and finally lower life-cycle cost. During the year, overall PLF of BHEL supplied coal based sets at 66.90% was higher than the national average of 65.60% including 36 sets which registered PLF of over 90%.

ORDERS INFLOW UNDER UNFAVOURABLE EXTERNALITIES

BHEL secured orders worth ₹28,007 Crore from its diversified business segments viz. Power and industry covering both domestic and international markets. Despite severe market shrinkage and stiff competition in Power Sector, BHEL increased its market share from 68% in 2012-13 to 72% in 2013-14 which includes highest ever Mega EPC order worth ₹7,900 Crore for 3x660 MW Supercritical units from NTPC for North Karanpura. The company ended the year with an order book of ₹1,01,566 Crore.

PREPARING FOR GROWTH

Today, the company faces many challenges. Profit has been impacted due to low volumes. These testing times in recent few years have given us the opportunity to consolidate our strengths, identify areas for future growth and leverage on the intrinsic capabilities to build strong foundations for coming years.


BHEL's Leadership Team
Right to Left : (Sitting) Ms. Harinder Hira, Part-time Non-official Director, Shri B. Prasada Rao, Chairman & Managing Director, Shri S.K. Bahri, Additional Secretary & Financial Adviser, DIPP
Right to Left : (Standing) Shri R. Krishnan, Director (Human Resource), Shri W.V.K. Krishna Shankar, Director (Industrial Systems & Products), Shri Ambuj Sharma, Additional Secretary, DHI, Shri P.K. Bajpai, Director (Finance), Shri Atul Sobti, Director (Power)

1. **Capability Enhancement:** BHEL has augmented its manufacturing capacity for Power Plant equipment to 20,000 MW p.a., Power Transformers to 45,000 MVA p.a., Seamless Steel Tubes to 86,500 MT p.a. and created New Manufacturing Units - Centralized Stamping Unit at Jagdishpur and Power Plant Piping Unit at Thirumayam besides merger of BHPV Vizag with BHEL to leverage its scale.
2. **Accelerated Project Execution:** During 2013-14, your company synchronized/ commissioned 30% more power projects as compared to previous year. In Transmission business area, your company constructed and successfully commissioned 765/400 kV substation 6 months ahead of schedule at Raichur in Karnataka, the Southern end of 765 kV Raichur-Sholapur transmission link of PGCIL. With this, the Southern Grid is now synchronised with the N-E-W Grid thus forming the synchronously operated National Grid thereby fulfilling the ambition of One Nation-One Grid-One Frequency.
3. **Product Cost Competitiveness & Quality:** To address prevailing pricing pressures, your company is focusing on indigenisation in new technology areas and development of Indian vendors for reducing import content along with optimization of designs, standardization of equipment modules, reducing rework cost, enhancing performance parameters and de-packaging of bought-out-items & civil works.
4. **Diversification:** Given the current business environment, particularly in power sector, company has been adopting two pronged strategy; focus on EPC business and enlarging scope of offer. BHEL is expanding its portfolio by adding Flue-Gas Desulphurisation (FGD), Water Management system, Air Cooled Condenser, and other Balance of Plant (BoP) systems.

   BHEL has taken various initiatives in recent past to expand its presence in Transportation (Rail), Solar, Defence and Transmission business areas. Plan to set up an integrated manufacturing facility for 480 MW Solar PV systems in Maharashtra is a significant step in this direction. For business diversification, BHEL is focussing on product development (e.g. 765 & 1200 kV transformer & Defence equipment), collaboration with stakeholders, capabilities' consolidation (e.g. water business) and gaining experience in new technology areas (e.g. NE Agra ±800 kV HVDC transmission line) to enhance share of Industry Segment in turnover-mix.

   In Hydro power sector, BHEL has augmented its capabilities to manufacture upto 300 MW Hydro sets. Adding to its nuclear capabilities, India's first 1000 MW Nuclear set at Kudankulam-1 was synchronised in 2013 where your company successfullly carried out erection and commissionng of TG.

   Your company is also exploring collaboration opportunities in target countries to grow exports business by forging opportunity-specific and market-specific alliances to strengthen BHEL's role as an EPC Contractor in the International markets.
5. **Engineering & Technology:** Keeping up with its commitment to R&D led growth strategy, BHEL spent ₹ 1,114 Crore in 2013-14 which was 2.76% of the turnover as against 2.49% for the previous year. Company's total intellectual capital of 2,589 patents and copyrights is a reflection of the R&D efforts with highest ever IPRs (434) filed during the year. In view of current coal situation in the country, your company has developed new fuel flexible supercritical boilers which can operate and maintain steam generation in the extreme cases of 100% specified Indian coal as well as 100% specified imported coal. BHEL is playing a key role in development of India's first coal fired Advanced Ultra Supercritical (AUSC) power plant in association with IGCAR and NTPC.

   BHEL is committed to offer fuel efficient and environment friendly technologies and products to its customers. First BHEL make 660 MW Supercritical unit was commissioned for NTPC at Barh and first 800 MW Boiler was synchronised for APPDCL at Krishnapatnam during 2013-14.
6. **People Development:** The force behind BHEL's sustained leadership journey is its dedicated workforce of more than 47,000 employees. The gradual reduction of average age of employees from 48.96 yrs in 2006 to 40.84 yrs in 2013 shows demographic profile at BHEL is moving in favour of millennial generation. Therefore, People Development strategy of BHEL is focused on developing each employee's competencies, performance and potential in alignment with business plans.

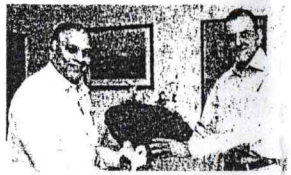
Some of our customers in recent past are struggling with regulatory and governance issues resulting in slow execution of projects. This is putting strain on their finances. Your company generally being largest stakeholder in these projects is also affected resulting in rise in debtors to uncomfortable levels. We have put in place structural arrangements to accelerate cash collections. We are able to arrest rate of increase of debtors.

GOVERNANCE FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

Your company believes in conducting business in a manner that complies with the Corporate Governance procedures and Code of Conduct. We are addressing the issue of social development and inclusive growth through our focus on capacity building, empowerment of communities, development of Backward regions, and upliftment of the marginalised & under-privileged sections of the society.

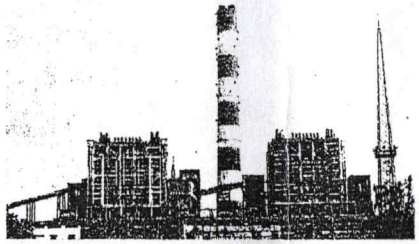
RETAINING RESILIENCE

Our Hon'ble Prime Minister has given a clarion call to 'Make in India' and this has been identified as one of the key missions of the new government. The future is filled with both exciting opportunities & gruelling challenges. With the golden legacy of 50 illustrious years on its side, BHEL has embraced this business dynamism by expanding its offerings and enhancing competitiveness seeking to realize its long term vision and stay relevant with the changing times. Creating new business avenues and maximizing utilization of available infrastructure will be the key to future growth and stakeholders' wealth enhancement.


Shri B. Prasada Rao, CMD, BHEL, welcoming Dr. Rajan S. Katoch, Secretary (HI)

I am grateful to my fellow Directors on the Board and the members of the Management Committee for their wisdom and continuous support. I would also like to extend special thanks to each and every shareholder of BHEL, whose trust and confidence has been the motivating force in all our endeavours. I thank all our customers and business associates in India and abroad for their unstinted loyalty and steadfast patronage of our products and services. Various ministries of Government of India particularly the Department of Heavy Industry have been providing valuable guidance and support in all our efforts.

Finally, a word of thanks to more than 47,000 employees of BHEL who are making these successes happen. I am extremely proud of their high level of commitment to the company & their outstanding performance over this period and have full confidence in their ability to deliver even greater success going forward.


BHEL's first supercritical set of 660 MW rating commissioned at NTPC Barh Stage-II

I am deeply indebted to the Leaders and employees of yesteryears who have brought us here - *50 years of Engineering Excellence*. Being trusted to deliver excellence sets the standard very high, and we strive to achieve that everywhere, every day. The new and changing India will have an insatiable appetite for wide range of products & services offered by BHEL. Therefore the Board of your company is confident of realising its vision of becoming a global engineering enterprise providing solutions for a better tomorrow and honouring our Golden Legacy.

I look forward to your unwavering support in this challenging but exciting process of building a vibrant India.

With best wishes,

(B. Prasada Rao)
Chairman & Managing Director

New Delhi
September 19, 2014

Note: The above are excerpts from the Chairman's Address at the AGM and do not purport to be the proceedings of the AGM. For full text of Address, please visit www.bhel.com

Bharat Heavy Electricals Limited
CIN: L74899DL1964GOI004281
Registered Office: BHEL House, Siri Fort, New Delhi - 110049
Phone No: 011-66337000, Fax: 011 - 26493021
E-mail: shareholderquery@bhel.in, Website: www.bhel.com